

Наименование организации: Государственное бюджетное учреждение культуры города Москвы «Государственный историко-архитектурный, художественный и ландшафтный музей-заповедник «Парицyno»

| Количество рабочих мест и численность работников, занятых на этих рабочих местах | | | | | | | | | |
|--|-------|---|---|---------|---------|-----|-----|------|---------|
| Наименование | всего | в том числе на которых проведена специальная оценка условий труда | Количество рабочих мест и численность занятых на них работников по классам (подклассам) условий труда из числа рабочих мест, указанных в графе 3 (единиц) | | | | | | |
| | | | класс 1 | класс 2 | класс 3 | | | | класс 4 |
| | | | | | 3.1 | 3.2 | 3.3 | 3.4. | |
| | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| Рабочие места (ед.) | 383 | 383 | 0 | 383 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| Работники, занятые на рабочих ме- стах (чел.) | 445 | 445 | 0 | 445 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| из них женщины | 250 | 250 | 0 | 250 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| из них лиц в возрасте до 18 лет | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| из них инвалидов | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

| Индивидуальный номер рабочего места | Профессия/ должность/ специальность работника | Классы (подклассы) условий труда | | | | | | | | | | | | | | | | Итоговый класс (подкласс) условий труда | Итоговый класс (подкласс) условий труда с учетом эффективного применения СИЗ | Повышенный размер оплаты труда (да/нет) | Ежегодный дополнительный оплачиваемый отпуск (да/нет) | Сокращенная продолжительность рабочего времени (да/нет) | Молоко или другие равноценные пищевые продукты (да/нет) | Лечебно-профилактическое питание (да/нет) | Льготное пенсионное обеспечение (да/нет) |
|-------------------------------------|--|----------------------------------|---------------|--|-----|-----------|----------------------|----------------|--------------------|--------------------------|------------------------|-------------|----------------|----------------------------|----------------------------------|----|----|---|--|---|---|---|---|---|--|
| | | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | | | | | | | | | | |
| | | химический | биологический | аэрозоли преимущественно фиброгенного действия | шум | инфразвук | ультразвук воздушный | вибрация общая | вибрация локальная | неионизирующие излучения | ионизирующие излучения | микроклимат | световая среда | тяжесть трудового процесса | напряженность трудового процесса | | | | | | | | | | |
| 1 | 2 Дирекция | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | | |
| 1 | Заместитель генерального директора | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | | |
| 2 | Заместитель генерального директора | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | | |
| | Организационно-контрольный отдел | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3 | Заместитель начальника отдела Экономист | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | | |
| 4 | Служба учета и хранения музейных коллекций (служба главного хранителя) | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | | |

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 34 | Методист по музейно-образовательной деятельности сектора музейно-образовательных программ и инклюзивной деятельности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 35А | Ведущий методист по музейно-образовательной деятельности сектора музейно-образовательных программ и инклюзивной деятельности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 35-1А (35А) | Ведущий методист по музейно-образовательной деятельности сектора музейно-образовательных программ и инклюзивной деятельности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 35-2А (35А) | Ведущий методист по музейно-образовательной деятельности сектора музейно-образовательных программ и инклюзивной деятельности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 35-3А (35А) | Ведущий методист по музейно-образовательной деятельности сектора музейно-образовательных программ и инклюзивной деятельности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 36 | Методист по научно-просветительской деятельности II категории сектора музейно-образовательных программ и инклюзивной деятельности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| | Научно-исследовательский отдел | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 37 | Заведующий отделом | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 38 | Ученый секретарь | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 39 | Заведующий архивно-библиографическим сектором | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 40 | Библиотекарь I категории архивно-библиографического сектора | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 41 | Архивист I категории архивно-библиографического сектора | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 42 | Ведущий библиотекарь архивно-библиографического сектора | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 43 | Старший научный сотрудник сектора исследования декоративно-прикладного искусства | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 146 | Начальник отдела безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 147 | Заместитель начальника отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 148А | Ведущий сотрудник службы безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 148-1А (148А) | Ведущий сотрудник службы безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 148-2А (148А) | Ведущий сотрудник службы безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 148-3А (148А) | Ведущий сотрудник службы безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 148-4А (148А) | Ведущий сотрудник службы безопасности | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 149 | Заведующий сектором ГО и ЧС | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 150 | Ведущий специалист гражданской обороны сектора ГО и ЧС | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 151 | Диспетчер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 152 | Диспетчер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 153 | Заведующий сектором диспетчерского управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 154 | Начальник смены сектора диспетчерского управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 155А | Оператор диспетчерской службы сектора диспетчерского управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 155-1А (155А) | Оператор диспетчерской службы сектора диспетчерского управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 155-2А (155А) | Оператор диспетчерской службы сектора диспетчерского управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 155-3А (155А) | Оператор диспетчерской службы сектора диспетчерского управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 155-4А (155А) | Оператор диспетчерской службы сектора диспетчерского управления | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| <i>Отдел информационно-технологического обеспечения и связи</i> | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 156 | Начальник отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 157 | Заместитель начальника отдела | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 158 | Ведущий программист | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 159 | Ведущий инженер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 160 | Ведущий инженер | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 161 | Инженер-программист | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |
| 162 | Инженер-программист II категории | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | 2 | 2 | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет | Нет |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-----|----------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 163 | Инженер II категории | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
|-----|----------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

Члены комиссии по проведению специальной оценки условий труда:

| | | | |
|--|--|-----------------|--------------|
| Начальник организационно-контрольного отдела |  | Самуилина Г.М. | 02.10.2019 |
| Начальник отдела по работе с персоналом |  | Штырева С.С. | 02.10.2019г. |
| Заместитель начальника юридического отдела |  | Лопатников А.А. | 02.10.2019г |
| Ведущий специалист по охране труда инженерной службы |  | Егорова О.В. | 02.10.2019г |

Эксперт(-ы) организации, проводившей специальную оценку условий труда:

647
(№ в реестре экспертов)  (подпись) Гололобова Ю.А. (Ф.И.О.) 20.09.2019 (дата)